प्रेस विज्ञप्ति

24/11/2021

आज गोरखनाथ ब्लड बैंक में सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस के अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने गुरु तेग बहादुर के जीवन एवं बलिदान दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर, सिखों के नवें गुरु थे जिन्होने प्रथम गुरु नानक द्वारा बताए गये मार्ग का अनुसरण करते रहे। उनके द्वारा रचित 115 पद्य गुरु ग्रंथ साहिब में सम्मिलित हैं।उनका जन्म 21/11/1621 अमृतसर में हुआ था उन्होने कश्मीरी पंडितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का विरोध किया।

गुरु तेग बहादुर जी ने अपने प्राणों की चिंता न करते हुयें कश्मीरी पंडितों ओर हिन्दुओं की बहुत मदद की, जिसके चलते मुगल शासक औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर जी को हिन्दुओं की मदद और इस्लाम अपनाने से इंकार करने की वजह से औरंगजेब के शासनकाल में उनका सर कलम कर दिया गया। चमत्कार ना दिखाने और धर्म भी ना बदलने की वजह से लगातार जुल्म करने के बाद मुगल बादशाह ने जब चांदनी चौक पर सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का शीश काटा तो उसे आनंदपुर साहिब तक पहुंचाते हुए ट्राईसिटी के पास भी एक रात के लिए रखा गया था। उनकी मृत्यु 24 नवम्बर 1675 में हुई।

इस अवसर पर ब्लड बैंक अधिकारी डॉक्टर ममता जायसवाल ने रक्त दाताओं को प्रोत्साहित किया एवं रक्तदान के संबंध में विस्तार से समझाया

गुरुद्वारा जटाशंकर के अध्यक्ष श्री यशपाल सिंह जी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए उन्होंने बताया कि उनकी वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेगबहादुर (तलवार के धनी) रख दिया. धैर्य, वैराग्य और त्याग की मूर्ति गुरु तेगबहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक 'बाबा बकाला' नामक स्थान पर साधना की । इस अवसर पर श्री जगनयन सिंह नीटू जी की उपस्थिति से रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन हुआ।

इस अवसर पर विकाश साहनी, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, सुसन्ना जस्वा अशोक कुमार सहित लगभग 20 लोगों ने रक्तदान किया

ब्लड बैंक परिचारिका श्रीमती शोभा राय ने कोविड नियमों का अनुपालन के बारे में रक्तदाताओं को बताया मास्क लगाने एवं हाथ सैनीटाईज करने जैसे आवश्यक सुझावों से अवगत कराया।

ब्लड बैंक के रक्तदान वाहन के माध्यम से आम जनमानस भी उपस्थित रहा तथा कुछ लोगों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया।

अंत में ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर अवधेश अग्रवाल ने रक्तदाताओं तथा आम जनमानस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सुभकामनाएँ प्रेषित किए।